an>

Title: Need to increase the amount of honorarium of 'Shiksha Preraks'.

श्री कीर्ति वर्धन सिंह (गौंडा) : अध्यक्ष महोदया, मैं इस सदन के माध्यम से अपने संसदीय क्षेत्र गौंडा में कार्यरत शिक्षक प्रेरकों की दयनीय स्थिति की तरफ माननीय संसाधन विकास मंत्री जी का ध्यान आकर्Âिषत करना चाहता हूं। नेशनल लिटरेसी मिशन के अंतर्गत ग्यारहवीं पंचवÂ◌ा◌ावय योजना में यह योजना लागू की गई थी, सात करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने यह विÂषय उठाया था।

श्री कीर्ति वर्धन सिंह: यह लक्ष्य पूरा नहीं होने के कारण इस योजना को बारहवीं पंचवषÂ◌ावय योजना में भी चालू रखा गया। राष्Âट्रीय साक्षरता मिशन के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक लोक शिक्षा केन्द्र खोलने का प्रावधान है और हर एक केन्द्र पर दो शिक्षक प्रेरकों को संविदा पर रखा गया है। आज की तारीख में, मेरे संसदीय क्षेत्र के 16 ब्लॉकों में करीब दो हजार प्रेरक काम कर रहे हैं। वर्ष 2009-2010 से उनको प्रतिमाह दो हजार रुपये वेतन मिलती है और इस वेतन पर उनके ऊपर कई जिम्मेदारियां दी जाती हैं। अपने ग्रामपंचायतों के सभी गांवों में घूम-घूम कर जो 15 वष्Â◌ाऩ से ऊपर के जो असाक्षर लोगों को लोक शिक्षा केन्द्रों पर जाने और पढ़ने के लिए प्रेरित करना पड़ता है। उनको पढ़ाने के साथ-साथ वालंटियर्स भी तैयार करने पड़ते हैं, जो गांवों में शिक्षा दें। इतने सारे कार्यों के बावजूद राज्य सरकार की जो जिम्मेदारी है, वह भी इनके ऊपर सौंपी जाती है, वह बी.पी.एल. सर्वे का कार्य हो, वोटर लिस्ट के सत्यापन का कार्य हो या हेल्थ डिपार्टमेंट के सर्वे का काम हो, ये सारे काम इन्हीं को करने पड़ते हैं।

महोदया, इनकी मांग है कि इतने सालों से इनका वेतन नहीं बढ़ाया गया है और हमारे जिले में कम से कम छः माह से वेतन नहीं मिला है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी अनुरोध करना चाहता हूं कि इनका वेतन दो हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ा कर चार हजार रुपये प्रतिमाह किया जाये और इनके वेतन का भुगतान जल्द से जल्द किया जाये।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र और श्री शरद त्रिपाठी को श्री कीर्ति वर्धन सिंह द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।